

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत साप्ताहिक समाचार पत्र

संपादक : राजकुमार बजाज मो. 94149-48767

whatsapp No. 8529548767

आर.एन.आई. नं. : 48904/93, डाक पंजीयन संख्या श्रीगंगानगर/212/2020-23

■ वर्ष : 36 अतिरिक्त नवरात्रा अंक ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : 2.00 रु. ■ श्रीगंगानगर, रविवार, 22 अक्टूबर, 2023 Mail us : ganganagarpratap1@gmail.com

नवरात्रि के आठवें दिन करें देवी महागौरी की पूजा



धर्म ग्रंथों के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को देवी महागौरी की पूजा की जाती है। इस बार ये तिथि 22 अक्टूबर, रविवार को है। देवी महागौरी मां दुर्गा का आठवां स्वरूप है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मां महागौरी का रंग अत्यंत गौरा है इसलिए इन्हें महागौरी के नाम से जाना जाता है। आगे जानिए देवी महागौरी की पूजा विधि, मंत्र, शुभ मुहूर्त, कथा व आरती

ऐसा है माता का स्वरूप

देवी महागौरी का वाहन सफेद बैल है। इनका स्वभाव अति शांत है। देवी महागौरी की पूजा से हर तरह का सुख हमें प्राप्त हो सकता है। इनकी चार भुजाएँ हैं। देवी के दाहिनी ओर का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में और नीचे वाले हाथ में त्रिशूल है। बाएँ ओर के ऊपर वाले हाथ में डमरू और नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है।

इस विधि से करें देवी महागौरी की पूजा

22 अक्टूबर, सोमवार की सुबह जल्दी उठकर देवी महागौरी की तस्वीर या प्रतिमा किसी साफ स्थान पर स्थापित करें। पहले शुद्ध घी का दीपक जलाएं, देवी को कुमकुम का तिलक लगाएं और फूलों की माला पहनाएं। इसके बाद अबोर, गुलाल, हल्दी, मेहंदी, चावल आदि चीजें एक-एक करके चढ़ाते रहें। देवी को नारियल या उससे बनी मिठाई का भोग लगाएं। नीचे लिखा मंत्र बोले और आरती करें-

श्वेत वृषे समारूढा श्वेताम्बरधरा शुचि ॥
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा ॥
देवी महागौरी की आरती
जय महागौरी जगत की माया। जया उमा भवानी जय महामाया ॥
हरिद्वार कनखल के पास। महागौरी तेरी वहां निवासा ॥
चंद्रकली और ममता अंबे। जय शक्ति जय जय माँ जगदेबे ॥
भौमा देवी विमला माता। कौशिकी देवी जग विख्याता ॥
हिमालय के घर गौरी रूप तेरा। महाकाली दुर्गा हैं स्वरूप तेरा ॥
सती सत हवन कुंड में था जलाया। उसी धुएँ ने रूप काली बनाया ॥
बना धर्म सिंह जो सवारी में आया। तो शंकर ने त्रिशूल अपना दिखाया ॥
तभी माँ ने महागौरी नाम पाया। शरण आनेवाले का संकट मिटाया ॥
शनिवार को तेरी पूजा जो करता। माँ बिगड़ा हुआ काम उसका सुधरता ॥
भक्त बोलो तो सोच तुम क्या रहे हो। महागौरी माँ तेरी हरदम ही जय हो ॥

देवी महागौरी की कथा

देवी पुराण के अनुसार देवी पार्वती ने महादेव को पति रूप में पाने के लिए कई सालों तक घोर तपस्या की। लगातार तपस्या करने से उनका रंग काला पड़ गया। जब भगवान शिव प्रसन्न हुए तो उन्होंने देवी पार्वती को मनचाहा वरदान दिया। शिवजी के वरदान से ही देवी पार्वती फिर से गौरी हो गईं। इसलिए देवी का एक नाम महागौरी भी है।

वीसी में दिया डाक मतपत्र, घरेलू मतदान और आपराधिक पूर्ववृत्त हेतु प्रशिक्षण

श्रीगंगानगर प्रताप

श्रीगंगानगर। विधानसभा चुनाव-2023 के तहत डाक मतपत्र और घरेलू मतदान, आपराधिक पूर्ववृत्त एवं प्रतीक चिन्ह आवंटन हेतु नामांकन के संबंध में निर्वाचन विभाग की ओर

गतिविधियों का संपादन कराया। पोस्टल बैलेट का डाटाबेस मार्क होने के बाद बदलाव नहीं होगा, इसलिए चिन्हीकरण पहले करते हुए मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। पोस्टल बैलेट पूर्ण होने के बाद



से शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में डाक मतपत्र और घरेलू मतदान, आपराधिक पूर्ववृत्त एवं प्रतीक चिन्ह आवंटन हेतु नामांकन के संबंध में जानकारी देते हुए आवश्यक गतिविधियां निर्धारित समयावधि में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पोस्टल बैलेट के निर्धारित प्रपत्रों का सावधानीपूर्वक मिलान, उनका प्रमाणिकरण, आवेदक के हस्ताक्षर आवश्यक हैं। पोस्टल बैलेट पर किसी तरह का अंकन नहीं किया जाएगा। डाक मतपत्र से संबंधित टीम अपनी निगरानी में सभी

विधानसभावाड़ज निर्धारित प्रपत्र तैयार किए जाएंगे। आपराधिक पूर्ववृत्त के सम्बंध में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा आम चुनाव 2023 के दौरान चुनाव लड़ रहे राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों को आपराधिक पूर्ववृत्त का प्रचार-प्रसार करना होगा। माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में आयोग ने अभ्यर्थियों के आपराधिक रिकॉर्ड यदि कोई होए तो प्रसारित करने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। राजनैतिक दलों तथा अभ्यर्थियों के आपराधिक मामलों के प्रचार-प्रसार के लिये फॉर्म सी-1 व सी-2 के द्वारा राष्ट्रीय व स्थानीय समाचार पत्रों एवं टीवी चैनलस में प्रसारित

करवाना होगा। अभ्यर्थी द्वारा भरे गये नामांकन पत्र में यदि स्वयं के संबंध में कोई आपराधिक मामला दर्ज होने की सूचना दी जाती है, तो अभ्यर्थी एवं संबंधित राजनैतिक दल को सूची के अनुसार जानकारी प्रकाशित व प्रसारित करवानी होगी। प्रशिक्षण में बताया गया कि आयोग के अनुसार विधानसभा चुनाव में भाग ले रहे उम्मीदवारों में यदि किसी का आपराधिक रिकॉर्ड है, तो प्रथम प्रचार अभ्यर्थिता वापसी के प्रथम चार दिनों के भीतर, दूसरा प्रचार आगे पांच से 8 दिनों के बीच तथा तीसरा प्रचार 9 वें दिन से प्रचार अभियान के अंतिम दिन तक (मतदान दिवस से दो दिन पूर्व तक) विज्ञापन समाचार पत्रों व टीवी चैनल पर प्रकाशित, प्रसारित करने होंगे। फॉर्मेट सी-1 उम्मीदवारों के लिये होगा तथा सी-2 राजनैतिक दलों के लिये होगा। निर्धारित प्रपत्र के अनुसार पूरी जानकारी भरकर समाचार पत्रों व न्यूज चैनल पर प्रकाशित, प्रसारित करवाना होगा। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार जाखड़, नगर विकास न्यास सचिव कैलाश शर्मा, एएसपी सतनाम सिंह, आबकारी अधिकारी श्रीमती रीना छीम्पा, एसडीएम संजय अग्रवाल, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विजय कुमार, देशराज सहित अन्य मौजूद रहे।

छपते-छपते अरोड़ा समाज असमंजस की स्थिति में, कोई निर्णय नहीं विनिता-वीरेन्द्र-लक्की को मनाने आयेगी वसुंधरा

भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर रामनगर की जनता इतिहास रचने के लिये है तैयार

» भाजपा प्रत्याशी जयदीप बिहाणी समर्थकों ने रामनगर में जनसंपर्क किया

श्रीगंगानगर प्रताप

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी



के प्रत्याशी जयदीप बिहाणी के जनसंपर्क अभियान ने जोर पकड़ लिया है। उनके समर्थकों की टोलियां शहर के वाडों में घर-घर जाकर भाजपा के लिये वोट मांग रही हैं। श्रीमती रंजना बिहाणी धर्मपत्नी भाजपा प्रत्याशी जयदीप बिहाणी एवं भाजपा नेताओं अमित

सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी जयदीप बिहाणी के लिये राम नगर, उदराम चौक, रवि चौक, चांदनी चौक, हनुमान चौक, कुष्णा मंदिर रोड, तारा चंद वाटिका रोड , कौडा चौक, मिनी मायापुरी, बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्र में सघन

राजनैतिक संरक्षण के कारण श्रीगंगानगर शहर आतंक का गढ़ बन चुका है। बहन-बेटियां घरों से बाहर निकलने से घबराने लगी हैं। चेन स्लेचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं, नशे के सौदागर फल-फूल रहे हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

जयदीप बिहाणी ने भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के लिये अर्वांड ज्योति लैने जा रहे श्रद्धालुओं के जत्थे को रवाना किया



श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जयदीप बिहाणी ने शनिवार को जिला वाल्मीकि सभा इंदिरा चौक से भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस के लिये पावन अर्वांड ज्योति लैने के लिए जा रहे श्रद्धालु जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विजय वाल्मीकि, श्यामलाल धारीवाल, विजय दानव, सुरेश भाटिया, उमेश वाल्मीकि, मदन सिरसवाल, विजय लक्खा, सोनू, राजकुमार, पवन ईटकान, भगत शेर, भगत शेरराम काला टीब्बा, सुरेश, राजू वाल्मीकि, सुरेश वाल्मीकि, प्रकाश सेहरा, समीर वाल्मीकि, विजय वाल्मीकि, धर्मपाल, भविष्य धारीवाल, सेठी वाल्मीकि, सिकंदर सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सम्पादकीय

संबंधित महकमों का रवैया संवेदनशील नहीं

जिस दौर में दुनिया भर में विज्ञान नई उंचाइयां छू रहा है, नई-नई तकनीकों के जरिए मनुष्य के लिए जोखिम वाले कामों को आसान बनाने के दावे किए जा रहे हैं, उस समय भी हमारे देश में सफाई का काम करते हुए लोगों की जान चली जाती है। सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौतों पर लंबे समय से गहरी चिंता जताई जाती रही है, इस पर पाबंदी भी लगाई जा चुकी है, फिर भी अक्सर सफाई कर्मियों के दर्शन की खबरें आती रहती हैं। इसका अफसोसनाक पहलू यह भी है कि इस तरह होने वाली मौतों पर सरकार और संबंधित महकमों का रवैया पर्याप्त संवेदनशील नहीं होता है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर एक अहम आदेश जारी किया है। अदालत ने कहा है कि अब सरकारी अधिकारियों को सीवर सफाई के दौरान जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को तीस लाख रुपए का मुआवजा देना होगा। इसके अलावा, अगर यह काम करते हुए कोई कामगार स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाता है, तो उसे कम से कम बीस लाख रुपए का भुगतान करना होगा। यह छिपा नहीं है कि इस तरह की सफाई के लिए भिन लोगों को सीवर में उतारा जाता है, वे समाज के सबसे हाशिये के वर्गों से आते हैं और पहले ही वहां उन्हें बहुस्तरीय उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। फिर जो लोग उनसे यह काम कराते हैं, उन्हें उनकी सुरक्षा के बारे में फिक्र करने की जरूरत नहीं महसूस होती। वरना क्या वजह है कि जहरीली गैसों के जोखिम से भरे हुए सीवर में उतरने वाले लोगों को गैस-मास्क या अन्य सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए जाते? इतना तय है कि यह काम कराने की जिम्मेदारी आमतौर पर नगर निगम या अन्य संबंधित सरकारी महकमों के अधिकारियों की होती है। मगर जब इस दौरान हादसा होता है, उसमें मजदूरों की जान चली जाती है या कोई व्यक्ति किसी अंग से लावार हो जाता है, तब या तो उसे पर्याप्त मुआवजा नहीं मिलता या फिर इसकी जिम्मेदारी सरकार पर आ जाती है। कानून का उछंघन करने वाले अधिकारी कई बार बचे रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट का आदेश इस लिहाज से अहम है कि इसमें मुआवजे के मामले में सरकारी अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई है।

इंसानों से गहरे नालों या सीवर की सफाई कराने पर करीब दस वर्ष पहले प्रतिबंध लगा दिया गया था। मगर आए दिन सीवर में उतरने वाले लोगों की मौत की घटनाओं से साफ है कि यह कानून शायद सिर्फ दस्तावेजों में सिमटा हुआ है। देश में आज भी हजारों लोग सीवर की सफाई करने के लिए हर तरह की जोखिम के बीच उनमें उतरने पर मजबूर हैं। इस मसले पर पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने लोकसभा में बताया था कि पिछले पांच सालों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान पूरे देश में तीन सौ उन्तालीस जगों की मौत के मामले दर्ज किए गए। सवाल है कि जब ऐसा काम कराना न केवल अमानवीय हो, बल्कि प्रतिबंधित भी हो, वह खुलेआम कैसे होता रहता है और उसे पूरी तरह रोकना किसकी जिम्मेदारी है? जिस दौर में बहुत सारे इंसानी काम मशीनों और रोबोट से करवा जाने को विज्ञान और तकनीक की उपलब्धि बताया जाता है, उस दौर में सबसे जोखिम और गरिमारहित काम में आम इंसानों को क्यों झोंका जाता और उन्हें उपेक्षित क्यों माना जाता है?

स्वास्थ्य

बाल मुकुन्द ओझा



ऑस्टियोपोरोसिस के बढ़ते जा रहे रोगी चिंता का विषय

विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है जो हर साल 20 अक्टूबर को मनाया जाता है। विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस 2023 की थीम अपनी हड्डियों से प्यार करें: अपने भविष्य की रक्षा करें जो हर किसी को तीन आसान चरणों का पालन करके ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद करने की याद दिलाता है। ये है वजन सहने वाले जोड़ों का व्यायाम सुनिश्चित करें कि आपको पर्याप्त विटामिन डी मिल रहा है और भरपूर मात्रा में कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों के साथ संतुलित आहार लें। इस विषय को समग्र दृष्टि के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चुना गया है। यह खास दिन ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम, निदान और उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। आधुनिक जीवन शैली, रहन सहन, खान पान और शारीरिक श्रम के प्रति घोर लापरवाही ने मानव शरीर को अनेक व्याधियों ने जकड़ लिया है। इन व्याधियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर बहुआयामी प्रयास किये जा रहे हैं। इनमें एक व्याधि ऑस्टियोपोरोसिस की है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हमारे देश में दिन प्रतिदिन तेजी से बढ़ रही है। आज घर घर में इससे पीड़ित लोग देखने को मिल जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऑस्टियोपोरोसिस एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के रूप में हृदय रोग के बाद दूसरे स्थान पर आ चुका है। शरीर में बैक पेन, कमर में दर्द, गर्दन में दर्द, घुटने में दर्द या शरीर के किसी भी भाग में हड्डियों में दर्द हो तो आप को तुरंत सावधान हो जाना चाहिए। आपकी हड्डियों की यह शारीरिक पीड़ा ऑस्टियोपोरोसिस हो सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस का मतलब हड्डियों का कमजोर और क्षीण होना। उम्र बढ़ने के साथ हमारी कोशिकाओं का शरीर के अनुरूप निर्माण नहीं होता है और हड्डियों के लिए पोषक तत्व कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन डी और खनिज पदार्थों को अपनी खुराक में शामिल नहीं होने से हड्डियों कमजोर होने लगती है। जिसका खामियाजा ऑस्टियोपोरोसिस के रूप में भुगतना पड़ता है।

जमाने के बदलने के साथ मानव की आदतें भी बदलती रहती है। शारीरिक श्रम नहीं के बराबर होता है। पुराने जमाने में खान पान के साथ शरीर सौष्ठव का भी विशेष ध्यान रखा जाता था। शरीर कसरती और मेहनत बेधुमार होती थी। महिला और पुरुष दूरदराज के कुरे, तालाब, बावड़ी आदि पानी श्रोतों से मटकों या अन्य साधनों से पानी का पानी लाते थे। घर पर पत्थर की चक्की में आटा पीसने का रिवाज था। घर घर में गाय बछा का काम भी बहुतायत से किया जाता था। पैदल या साईकिल का स्थान स्कूटर, मोटर साईकिल और चार पहियों के वाहनों ने ले लिया। कबड्डी और कुश्ती जैसे खेल भी गली मोहल्लों में देखने को मिल जाते थे। कहने का तात्पर्य है भरपूर खाते पीते थे तो उसके मुकाबले मेहनत के कामों में भी पीछे नहीं रहते। समय के साथ हमारी दिनचर्या और खान पान की प्रणाली बदली जिसके फलस्वरूप आधुनिक जीवन शैली के अनुरूप हमने अपने को ढालना शुरू कर दिया।

भारत में हर आठ में से एक पुरुष और हर तीन में एक महिला ऑस्टियोपोरोसिस की शिकार है। मुख्यतः 30 से 60 वर्ष के लोग इस बीमारी के शिकार होते हैं। कम उम्र के युवाओं को भी इसका शिकार होना पड़ रहा है। फिर उम्रभर लगातार फिजियो और अन्य चिकित्सकीय साधनों पर निर्भरता बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पीठ में दर्द, कद का छोटा पड़ना या आंगे की तरफ झुक जाना इसके कुछ महत्वपूर्ण लक्षण हैं। हड्डी रोग विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में लगभग तीन करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन कम बनने लगता है, जिससे हड्डियों के कमजोर होने का खतरा बढ़ जाता है। बच्चे को जन्म देने के दौरान भी महिलाओं में कैल्शियम की कमी हो जाती है, जिसकी भरपाई कर पाना अक्सर मुश्किल होता है। इसलिए 45 से 50 साल की जिन महिलाओं में मासिक धर्म अनियमित हो गया हो, उन्हें कैल्शियम लेना शुरू कर देना चाहिए। इस रोग से बचाव जागरूकता ही है। समय पर रोग निदान से ही बचा जा सकता है अन्यथा जीवनभर इस परेशानी से जूझना पड़ सकता है।



एनएसपी

डा. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी है। पिछले कुछ सालों से बुवाई के समय ही फसलों के एमएसपी की घोषणा करना अच्छी परंपरा मानी जा सकती है। सरकार की मानें तो लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। पर यक्ष प्रश्न यही है कि फसल आने के बाद किसान को यह मूल्य मिलेगा ही, इसकी क्या गारंटी है ? सारा झगड़ा इसी को लेकर है कि एमएसपी घोषित होती ही ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए कि किसान को उसकी फसल का न्यूनतम मूल्य तो मिल ही जाए।

खरीद में बिचौलियों की दखल रुके

केद्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी है। पिछले कुछ सालों से बुवाई के समय ही फसलों के एमएसपी की घोषणा करना अच्छी परंपरा मानी जा सकती है। इससे किसान भी कौन सी फसल लेनी है इसका निर्णय आसानी से कर पाते हैं। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छह फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है, जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की मानें तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 102 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 52 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। सरकार की मानें तो लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। पर यक्ष प्रश्न यही है कि फसल आने के बाद किसान को यह मूल्य मिलेगा ही इसकी क्या गारंटी है ? सारा झगड़ा इसी को लेकर है कि एमएसपी घोषित होती ही ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए कि किसान को उसकी फसल का सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मूल्य तो मिल ही जाए। यदि इस तरह की फूलगुफ व्यवस्था इनबिल्ट हो जाए तो किसानों को सही मायने में एमएसपी व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दरअसल सब कुछ होने के बाद भी किसान आज भी ठगा महसूस करता है। यही कोई डेढ़ दो माह पुरानी बात होगी जग आम नागरिकों को टमाटर दो सौ रुपये से भी अधिक में खरीदना पड़ा। आज वही टमाटर मण्डियों में दस रुपये के आसपास आ गया है। अब प्रश्न यह है कि टमाटर के दो सौ रुपये होने का लाभ आखिर ना तो उत्पादक किसान को मिला और ना ही आम नागरिकों को मिला। ऐसे में दोनों ही ठगे महसूस करते रह गए तो सरकार की किरकिरी हुई वह अलग। देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही

केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाने का निर्णय किया। केन्द्र सरकार द्वारा सोएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिनसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी।

आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहन, 7 तिलहन, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग



द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफेड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केंद्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो अब हरियाणा सरकार भी केरल की तरह हरियाणा में भी सब्जियों का बेस मूल्य तय कर कर रही है।

2004 में एमएस स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फार्मुला सुझाते हुए सुझाव दिया कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। एमएसपी की सिफारिश करते समय सोएसीपी द्वारा देश के अलग अलग हिस्सों में फसल के अनुसार प्रति हेक्टेयर लागत, खेतों के दौरान अन्य खर्चों, भण्डारण की स्थिति, विदेशों में उपलब्धता आदि पैमाने पर आकलन कर प्रत्येक फसल की एमएसपी की सिफारिश की जाती है। 2004 में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए

केन्द्र सरकार ने 2018-19 में उत्पादन लागत से कम से कम डेढ़ गुणा अधिक मूल्य घोषित करने का निर्णय किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा एमआईएस यानी कि बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत एमएसपी के दायरे में नहीं आने वाली फसलों की खरीद को व्यवस्था करती आई है। राजस्थान में लहसुन की खरीद, प्याज की खरीद आदि इसका उदाहरण हैं। इस साल रबी फसलों के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार ही न्यूनतम 52 प्रतिशत से 102 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। रबी सीजन में सर्वाधिक असर गेहूं और सरसों पर पड़ता है और इसी को ध्यान में रखते हुए गेहूं की एमएसपी में लागत की तुलना में 102 प्रतिशत और सरसों की लागत की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक घोषित की गई है। यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फेडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहन और दलहनों की खरीद नेफेड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। किसी समय यह सामान्य धारणा व वास्तविकता थी कि बाजार में जब भी किसी फसल के भाव एमएसपी से नीचे आने लगते तो राज्यों के मार्केटिंग फेडरेशनों द्वारा खरीद की घोषणा करने मात्र से बाजार में भावों में हल्की तेजी तो तत्काल देखने को मिल जाती थी। इसी तरह से यह वास्तविकता भी थी कि एमएसपी पर खरीद शुरू करने के समय यह माना जाता था कि कुल उत्पादन का अधिकतम 25 से 30 प्रतिशत तक खरीद होते होते बाजार में उस फसल के भाव एमएसपी के बराबर या अधिक आ जाएंगे और वास्तविकता तो यह रही कि दस से 15 प्रतिशत तक खरीद होते होते मण्डियों में भाव लगभग एमएसपी के आसपास आ ही जाते थे। पर करीब एक दशक से स्थितियों में तेजी से बदलाव आया है। हद तक एमएसपी खरीद व्यवस्था में अब निजी खरीदारों की भागीदारी बढ़ गई है। छोटे किसानों से उनकी फसलों को कम दामों में खरीद कर उनके नाम से एमएसपी पर खरीद केंद्रों पर बेंच कर लाभ बिचौलिए लेने लगे हैं। यही कारण है कि कई स्थानों पर उस क्षेत्र में कुल पैदावार से भी अधिक की खरीद एमएसपी पर देखने को मिल जाती है। इसलिए बिचौलियों को रोकना होगा।

वार्ता से निकल सकता है हर समस्या का हल

वार्ता से प्रत्येक व्यक्ति का सरोकार है। जब मन में संदेह उपजे, हृदय अविश्वास से घिर जाए, मस्तिष्क में विचार न ठहरे, तब वार्ता से ही रास्ता निकलेगा। कोई भी विवाद हो, कैसी भी समस्या हो, फिर भी वार्ता से हल निकल सकता है। संबंधों में किताना भी ठहराव क्यों न आ जाए, लेकिन वार्ता के ताप से रिश्तों पर जमा बर्फ भी पिघल जाती है। वार्ता में शिथिलता के लिए केवल अहंकार दोषी होता है। किसी भी विध्वंस का कारण अहंकार ही रहा है। विश्व शांति की अवधारणा परस्पर संवाद पर ही टिकी है। संवादहीनता से कूटनीति और राजनीति अकेली पड़ सकती है। बातचीत चलती रहे तो विकल्प निकलने की संभावना बढ़ जाती है। चर्चाओं में तर्क, सुझाव और मर्ता का विभाजन होता रहता है। यह अनवरत प्रक्रिया है। जनता के मध्य नितर जनमत पर चर्चा चलती रहती है। लोक चर्चा और लोकमत से संसार की बड़ी समस्याओं पर सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते हैं। चर्चा या वार्ता को प्रोत्साहित करना उचित है। संवादहीनता को हतोत्साहित करना चाहिए। सभी द्वार भले ही बंद हो जाएं, लेकिन बातचीत का द्वार सदैव खुला रहे। लोग कहते हैं कि पैसों का काम पैसों से ही चलता है, बातें से नहीं। यह बात सच है कि बातों से कोई काम नहीं होता, काम तो काम करने से हो सकता है, लेकिन काम तभी हो सकता है, जब उस काम से पहले कोई विचार स्थिर हो। विचार स्थिर होगा तो उससे संबंधित बात पूरी हो सकेगी और बात होगी तो काम का आदेश होगा।



करंट अफेयर

इजराइली को मिलेगा 90 दिन का अमेरिकी वीजा

इजराइल-हमास युद्ध के मद्देनजर अमेरिका ने इजराइल के नागरिकों के लिए 'वीजा फ्रूट' कार्यक्रम शुरू किया जिसके तहत 90 दिन या उससे कम समय के लिए अमेरिका की यात्रा के इच्छुक इजराइली नागरिक वीजा आवेदन किए बिना अमेरिका की यात्रा कर सकेंगे। अमेरिका ने 27 सितंबर को घोषणा की थी कि वह इजरायल को 'वीजा फ्रूट' कार्यक्रम में शामिल कर रहा है। इस कार्यक्रम में 40 से ज्यादा यूरोपीय और एशियाई देशों को शामिल किया गया है, जिनके नागरिक बिना वीजा के तीन महीने के लिए अमेरिका की यात्रा कर सकते हैं। अमेरिका ने पहले कहा था कि इजराइल के नागरिक 30 नवंबर से बिना वीजा के अमेरिका की यात्रा शुरू कर सकते हैं। लेकिन आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय ने एक समाचार विज्ञापित में कहा कि अब यह कार्यक्रम बुराखतिार से शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने प्रेस विज्ञापित में समयसीमा में बदलाव का कोई कारण नहीं बताया। इस कार्यक्रम के तहत इजराइल के नागरिकों को पहले 'इलेक्ट्रॉनिक सिरस्टम फॉर ट्रैवल ऑथराइजेशन' में पंजीकरण कराना होगा। आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय ने समाचार विज्ञापित में कहा कि यह एक स्वचालित प्रणाली है, जो यह निर्धारित करने में मदद करती है कि व्यक्ति यात्रा करने का पात्र है या नहीं।



जागृति प्रतिक्रिया - जागने के बाद होने वाली कोर्टिसोल में तेज वृद्धि - नींद की जड़ता में कमी से संबंधित है। इसके अलावा, घुंकि झपकी लेने वाले प्रतिभागी दोबारा गहरी नींद में नहीं सोए, इससे उनके नींद से जागने की संभावना पर और असर पड़ा होगा। कई अध्ययनों से पता चलता है कि गहरी नींद की तुलना में हल्की नींद से जागना आसान होता है। हालांकि ये निष्कर्ष उन लोगों के लिए राहत के रूप में आ सकते हैं जो उठने से पहले बार-बार झपकी लेते हैं, लेकिन हमारे शोध का मतलब यह नहीं है कि जागने का यह तरीका हर किसी के लिए इष्टतम है।

महिला के शुभ कदम

एक आदमी ने दुकानदार से पूछा: केले और सेवफल क्या भाव लगाए है? दुकानदार: केले 20 रु. दर्जन और सेब 100 रु. किलो। उसी समय एक गरीब सी औरत दुकान में आयी और बोली मुझे एक किलो सेब और एक दर्जन केला चाहिए, क्या भाव है? भैया दुकानदार: केले 5 रु दर्जन और सेब 25 रु किलो। औरत ने कहा: जल्दी से दे दीजिए। दुकान में पहले से मौजूद ग्राहक ने खा जाने वाली निगाहों से घूरकर दुकानदार को देखा, इससे पहले कि वो कुछ कहता, दुकानदार ने ग्राहक को इशारा करते हुए थोड़ा सा इंतजार करने को कहा। औरत खुशी खुरी खरीदारी करके दुकान से निकलते हुए बड़बड़ाई है भगवान तेरा लाख लाख शुक्र है, मेरे बच्चे फलों को खाकर बहुत खुश होंगे। औरत के जाने के बाद, दुकानदार ने पहले से मौजूद ग्राहक की तरफ देखते हुए कहा: ईश्वर गवाह है, भाई साहब मैंने आपको कोई धोखा देने की कोशिश नहीं की। यह विधवा महिला है, जो चार अनाथ बच्चों की मां है। किसी से भी किसी तरह की मदद लेने को तैयार नहीं है। मैंने कई बार कोशिश की है और हर बार नाकामी मिली है। तब मुझे यही तरीका ब सूझी है कि जब कभी ये आए तो, मे उसे कम से कम दाम लगाकर चीजे देदूं। मैं यह चाहता हूँ कि उसका भरण बना रहे और उस लगे कि वह किसी की मोहताज नहीं है। इस तरह भगवान के बन्दे की पूजा कर लेता हूं। थोड़ा रूक कर दुकानदार बोला: यह औरत हफ्ते में एक बार आती है। भगवान गवाह है, जिस दिन यह आ जाती है उस दिन मेरी बिन्नी बढ़ जाती है और उस दिन परमात्मा मुझपर मेहरबान होजाता है।



प्रगति का द्योतक

प्रार: देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों द्वारा अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया जा रहा है। यह एक बहुत ही सुखद बदलाव है। केवल इतना ही नहीं यह एक बेहतरीन समाज के निर्माण की दिशा में भारत की प्रगति का द्योतक भी है।

-दोपटी मुर्मु, राष्ट्रपति

हिसा चक्र समाप्त हो

गंगा में बाघों सहित हजारों निर्दोष नागरिकों की हत्या और उनके भोजन, पानी और बिजली को चारकर लाखों लोगों की सामूहिक रूना आरम्भ है। इजराइल और पिरिस्टीन के बीच हिंसा चक्र को समाप्त किया जाना चाहिए।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आसान नहीं होगा

वॉट नैसत में ओस नहीं है और धीव पर इसका चोटई अस्तर नहीं है तो मुझे लगता है कि 300 फुस का पीछ करवा उतना आसान नहीं होगा जितना कि विज्जलक्ष्मी ने आज तैर पर होता है। इसके लिए बहुत दम लगाना होगा।

-रश्मि भोगले, क्रिकेट विशेषज्ञ

दहाड़ने को तैयार

अतिरिक्तकर वह दिन आ ही गया। कई रातों की नींद हथाम, अतहीन बातचीत, कड़ी मेहनत आदि से बनी वो पिछले छहने हमारा सब कुछ ले लिया। टाइम नाइटेयर राय आज से सिनेमाघरों में दहाड़ने के लिए तैयार है।

-अनुपम खेर, अभिनेता

जंगम जोगियों के भजनों से माहौल हुआ शिवमय, ‘बबम-बबम बम लहरी’ की धुन पर नाच उठे दर्शक

शिवकथा ‘शिवोह्म’ के दूसरे दिन निकली शिव बारात और शिव-पार्वती विवाह हुआ संपन्न

श्रीगंगानगर। बिहाणी चिल्ड्रन्स एकेडमी के छात्र छात्राओं द्वारा अंग्रेजी भाषा में शिवकथा के मंचन के दूसरे दिन शुक्रवार को सेंट जीएल बिहाणी एसडी पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में कार्यक्रम की शुरुआत में हरियाणा से आये जंगम जोगियों ने शिव के प्रसिद्ध भजन ‘बम लहरी’ से की। जोगी रामपाल एंड पार्टी ने शिवजी के प्रसिद्ध भजनों को गाकर वातावरण को शिवमय बना दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती रश्मि बिहाणी, मुख्य अतिथि सुरेंद्रा डेंटल कॉलेज की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीमती रजनी अग्रवाल व विशिष्ट अतिथियों सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती नवी आहुजा और



भाटिया ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मान पार्वती के रूप में अवतार, पार्वती की किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने तपस्या, शिव का पार्वती की परीक्षा लेना,

शिव की बारात, शिव-पार्वती विवाह का अनिवर्चनीय मंचन किया। कार्तिकेय और तारकासुर का युद्ध, गणेश जन्म और शिव का गणेश जी को हाथी का मुख लगाना आदि दृश्यों का विद्यार्थियों ने जीवंत प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। बीसीए के विद्यार्थियों के नृत्य प्रदर्शन ने कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिये। शानदार सार्जेंट इफेक्ट और विज्युअल इफेक्ट्स ने तो सोने पर सुहागा का काम करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में जंगम जोगियों रामपाल एंड पार्टी ने ‘बबम बम लहरी’ और ‘तू राजा की राजदुलारी’ भजनों पर दर्शकों को

थिरकने पर मजबूर कर दिया। गणों और देवताओं से सुशोभित शिव की बारात ने सभी दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। पूरा हॉल हर-हर महादेव के उद्घोष के गुंजायमान हो उठा। बीसीए के विद्यार्थियों ने अपनी मधुर आवाज में शिव भजनों का गायन किया, जिसकी दर्शकों ने मुककंठ से प्रशंसा की। दर्शकों ने करतल ध्वनि से प्रत्येक दृश्य के बाद बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों और अभिभावकों ने कार्यक्रम के अंत में शिव परिवार की आराती में भाग लिया। प्राचार्या सिमरन भाटिया ने अतिथियों व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

मेगा नवरात्रा डांडिया महोत्सव का भव्य शुभारंभ



श्रीगंगानगर। नवरात्रि के उपलक्ष में रॉयल सरखती गार्डन में दो दिवसीय मेगा नवरात्रा डांडिया महोत्सव का आज शनिवार को प्रातः 11 बजे दुर्गा पूजा से भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सभापति श्रीमती करुणा चांडक, डॉ. एनके गुप्ता, परचिंदर पिटा मित्रल, स्वर्णिम मिगलानी, परू बंसल, डॉ. आहना गुप्ता, एडगुरू राजकुमार जैन, उमा बांडिया, देव शर्मा, जय शंकर कुक्कड़, सौरभ जैन, निशांत बिश्नोई आदि ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। सौरभ जैन ने बताया कि इस महोत्सव को लेकर लोगों में भारी उत्साह है और यह 21 अक्टूबर और 22 अक्टूबर को रहेगा। इसमें दोनों दिन विशाल प्रदर्शनी भी लगाई गई है और इसमें लेडिज आइटम, आर्टिफिशिल ज्वेलरी, होम डेकोर, आदि भी स्टालें लगाई गई हैं। इस प्रदर्शनी में प्रवेश निशुल्क रखा गया। इसके डांस क्लासेज की ओर से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में रोजाना सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक डांडिया धमाल होगा।

किया। सौरभ जैन ने बताया कि इस महोत्सव को लेकर लोगों में भारी उत्साह है और यह 21 अक्टूबर और 22 अक्टूबर को रहेगा। इसमें दोनों दिन विशाल प्रदर्शनी भी लगाई गई है और इसमें लेडिज आइटम, आर्टिफिशिल ज्वेलरी, होम डेकोर, आदि भी स्टालें लगाई गई हैं। इस प्रदर्शनी में प्रवेश निशुल्क रखा गया। इसके डांस क्लासेज की ओर से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में रोजाना सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक डांडिया धमाल होगा।

सुग्रीव के हाथों बाली का वध, लंका में हनुमान का प्रवेश

■ भीलनी शबरी ने श्रीराम को जूठे बैर खिलाए

श्रीगंगानगर। सेंट गोपीराम गोयल की बगीची में रामलीला सेवा समिति की हाईटेक रामलीला में शुक्रवार रात सीता की खोज में निकले? श्रीराम और लक्ष्मण को भीलनी शबरी द्वारा जूठे बैर खिलाना, राम-सुग्रीव की मित्रता, युद्ध में सुग्रीव द्वारा बाली का वध करना, सुग्रीव का राज्यभिक्षेक और हनुमान के लंका में प्रवेश के प्रसंग मंचित किए। हनुमान का रवि सोनी, बाली का दर्पण, सुग्रीव का अरुण, अंगद का युवराज और शबरी का आंचल धींढा ने जानदार अभिनय किया। श्रीराम (दिनेश शर्मा), लक्ष्मण (सुभेष देहडान) और सीता (रवीना भगत) के हरेक संवाद पर खूब तालियां बजीं।



डा सतीश माहेश्वरी, डा सीमा माहेश्वरी, एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण शर्मा

सत्यपाल बंसल और बैडिंटो इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर राकेश वधवा मुख्य अतिथि रहे। हाईटेक तकनीक से मंचित इस रामलीला को देखने जिला

भी आए।शुक्रवार रात प्रश्नोत्तरी के विजेता दर्शकों को आरोग्यम एक्स्प्रेसर केंद्र और मंगू लोहेवाला की ओर से उपहार दिये गए।

नशामुक्ति के दुष्प्रभावों के बारे में एडीजे ने किया आमजन को जागरूक

श्रीगंगानगर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार नवचेतना लाईफ़ स्किल्स एण्ड ड्रग एजुकेशन मॉड्यूल के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) गजेन्द्र सिंह तेनगुरिया द्वारा शनिवार को मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम अभियान के तहत जागरूकता शिबिर का आयोजन ग्राम पंचायत साधूवाली में किया गया। तेनगुरिया ने शिबिर में उपस्थितजन को सम्बोधित करते हुए बताया कि समाज में फैल रही सामाजिक कुरीतियां राष्ट्र के विकास की अवरोधक हैं। ये सामाजिक विषमताएँ तथा उनसे उत्पन्न कुरीतियाँ तब तक दूर नहीं की जा सकती जब तक की हम उनके



जनसंख्या को नियंत्रित नहीं कर लेते हैं। इसका कारण लोगों में शिक्षा का अभाव होने के कारण लोग अपनी भलाई को नहीं

समझ पा रहे हैं। तेनगुरिया ने नशे के सेवन से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सामाजिक और आर्थिक स्थिति के लिये भी अच्छा नहीं होता, नशे की लत की वजह से हमारे व्यवहार में दिक्कत हो सकती है जैसे व्यक्ति का खुद पर नियंत्रण नहीं रहना, याददाश्त कमजोर होना, अपने कार्यों पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं होना, बेवजह जोखिम मोल लेने जैसी समस्याओं का सामना करने के साथ ही स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति चिकित्सक की सलाह से अपना इलाज करवाने के साथ ही नियमित योग, मेडिटेशन आदि का सहारा भी ले सकता है। इसी दौरान तेनगुरिया ने बताया कि विधिक सेवा अधिनियम 1987 के तहत निःशुल्क विधिक सहायता व किसी अपराध से

पीड़ित व्यक्ति/महिला को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत प्रतिकर उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा ऐसी कोई भी महिला जिसका न्यायालय में प्रकरण चल रहा है जो अपने प्रकरण में पैरवी हेतु निजी अधिवक्ता नियुक्त करने में असमर्थ है तो वह निःशुल्क विधिक सहायता के तहत अधिवक्ता करवाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में सम्पर्क कर या संबंधित न्यायालय के मार्फत अपना विधिक सहायता का फार्म भरवाकर अपने प्रकरण में निःशुल्क अधिवक्ता नियुक्त करा सकती है। जागरूकता कैम्प के दौरान ग्राम पंचायत साधूवाली के सरपंच श्रीराम बरावड़ व सुशील कुमार अधिवक्ता सहित गांव के निवासीगण भी उपस्थित रहे।

पीड़ित व्यक्ति/महिला को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत प्रतिकर उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा ऐसी कोई भी महिला जिसका न्यायालय में प्रकरण चल रहा है जो अपने प्रकरण में पैरवी हेतु निजी अधिवक्ता नियुक्त करने में असमर्थ है तो वह निःशुल्क विधिक सहायता के तहत अधिवक्ता करवाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में सम्पर्क कर या संबंधित न्यायालय के मार्फत अपना विधिक सहायता का फार्म भरवाकर अपने प्रकरण में निःशुल्क अधिवक्ता नियुक्त करा सकती है। जागरूकता कैम्प के दौरान ग्राम पंचायत साधूवाली के सरपंच श्रीराम बरावड़ व सुशील कुमार अधिवक्ता सहित गांव के निवासीगण भी उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ प्रगतिशील ने शिक्षकों की समस्याओं के सन्दर्भ में डीईईओ को सौंपा ज्ञापन

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का प्रतिनिधि मंडल डीईईओ डीईईओ महोदय ने एसीपी आदेश और नोशनल आदेश की सूची एक सप्ताह के अन्दर जारी करने का आश्वासन दिया है। वेतन व्यवस्था के आदेशों की सूची जारी कर दी गई है अन्य आदेश भी यथा शीघ्र जारी करने को कहा है। प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष महावीर अरोड़ा, प्रारंभिक गुजेशकांत शर्मा से शिक्षकों के लम्बित एसीपी, नोशनल एसीपी, योग्यता अभिवृद्धि आदेश, परीक्षा अनुमति , पीडी मद वेतन, अधिशेष शिक्षकों के वेतन व्यवस्था

आदेश के प्रकरणों के सन्दर्भ में मिला। और विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण की मांग की। डीईईओ महोदय ने एसीपी आदेश और नोशनल आदेश की सूची एक सप्ताह के अन्दर जारी करने का आश्वासन दिया है। वेतन व्यवस्था के आदेशों की सूची जारी कर दी गई है अन्य आदेश भी यथा शीघ्र जारी करने को कहा है। प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष महावीर अरोड़ा, जिला मंत्री आकाश दीप बिश्नोई, अतुल सिंह ,हरदीप सिंह समरा, अनिल कुमार, पाला सिंह, उर्मिला, राजेंद्र कुमार, रविंद्र सिंह गिल आदि शिक्षक शामिल थे।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीगंगानगर। गुरू नानक गर्ल्स पीजी कॉलेज परिसर में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा मतदाताओं को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के संकल्प के अनुसार महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्राचार्य डॉ. प्रवीण कौर, उप-प्राचार्य डॉ. हरीश कटारिया, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रेणु बाला, व्याख्याता श्रीमती किरण लीला एवं डॉक्टर सोनिया के निदेशन में शपथ ली गई। प्राचार्य

महोदय ने अपने उद्बोधन के अन्तर्गत छात्राओं को जनतंत्र की प्रक्रिया में एक

हरीश कटारिया ने लोकतन्त्र में चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से मतदान के अधिकार



जिम्मेदार मतदाता के रूप में भागीदारी करने पर बल दिया। उप-प्राचार्य डॉ.

को उपयोग में लाकर एक जिम्मेवार सरकार को चुनने हेतु प्रोत्साहित किया।

छठी ब्रह्म वाल्मीकि अखण्ड ज्योत लाने के लिए भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज का जत्था हुआ रवाना

» भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज ने अतिथियों को आसमानी सरोपा पहनाकर किया सम्मानित

श्रीगंगानगर। भगवान वाल्मीकि पावन प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को छठी ब्रह्म वाल्मीकि अखण्ड ज्योत भगवान वाल्मीकि तीर्थ अमृतसर से लाने के लिए भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के पदाधिकारी व कार्यकर्ता राष्ट्रीय संचालक वीरश्रेष्ठ मदन सिरसवाल तथा प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल के नेतृत्व में इन्द्रा चौक स्थित वाल्मीकि धर्मशाला से निजी वाहनों से रवाना हुए। प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल ने बताया कि ब्रह्म वाल्मीकि अखंड ज्योत लाने के लिए रवाना होने वाले जत्थे को वाल्मीकि समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में अतिथिगण नगर परिषद आयुक्त यशपाल आहुजा, समाजसेवी जयदीप बिहाणी, पूर्व सभापति अजय चांडक, पूर्व सभापति महेश पेड़वाल, पूर्व सभापति श्याम धारीवाल, सफाई कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष उमेश वाल्मीकि, जिला वाल्मीकि सभा अध्यक्ष विजय वाल्मीकि, रमेश बंसल, सुरेश भाटिया, सेठी वाल्मीकि,

समीर वाल्मीकि सहित समाज के गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से मौजूद रहे।



सर्वप्रथम भगवान वाल्मीकि मूल मंत्र का उच्चारण किया गया। तत्पश्चात् जत्थे में शामिल राष्ट्रीय संचालक वीरश्रेष्ठ मदन सिरसवाल प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल, जिला उपाध्यक्ष मदन मर्तग, नगर अध्यक्ष विजय दानव, उपाध्यक्ष सुखवीर धारीवाल, संगठन मंत्री सागर भाटिया, देव धारीवाल, अनमोल, राजकुमार आदि पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को तिलक लगाकर तथा माल्यार्पण कर रवाना किया। कार्यकर्ताओं

ने भगवान वाल्मीकि महाराज के जयघोष से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया।

इस मौके पर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों को आसमानी सरोपा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संचालक मदन सिरसवाल, प्रदेशाध्यक्ष अनिल धारीवाल सहित बड़ी संख्या में भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बुजुर्ग, युवा एवं गणमान्य उपस्थित थे।

साइबर क्राइम से बचाने के लिए ‘साइबर क्राइम जागरूकता’ सेमिनार का आयोजन



श्रीगंगानगर। छात्राओं को साइबर क्राइम से बचाने के लिए ‘साइबर क्राइम जागरूकता’ सेमिनार का आयोजन किया गया। आत्मवल्लभ जैन कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर में हुए ‘साइबर क्राइम अवेयरनेस’ सेमिनार में साइबर क्राइम विशेषज्ञ आर.के. वर्मा (सीईओ, स्किडहेल्ड टेक्नोलॉजी प्रा.लि.) द्वारा छात्राओं को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नये-नये तरीकों की जानकारी दी गई तथा साइबर क्राइम से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया गया। इस सेमिनार में साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए उचित जानकारी रखने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

आत्मवल्लभ जैन शिक्षा न्यास सचिव नरेश जैन ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि छात्राओं, युवाओं व आमजन को जागरूक करने के लिए महाविद्यालय स्तर पर साइबर क्राइम जागरूकता टीम का गठन किया जाएगा, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग सके तथा उन्हें ठगरी से बचाया जा सके। सफल आयोजन के लिए निदेशक डॉ. संजय अरोड़ा तथा प्राचार्य डॉ. पंकज लता ने सबका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बी.सी.ए. विभागाध्यक्ष दीपक कक्कड़ तथा एम.सी.ए. विभागाध्यक्ष संजय गुप्ता सहित साइबर क्राइम एवं स्टायफ सदस्य उपस्थित थे। सफल मंच संचालन उप प्राचार्य डॉ. निक्की शर्मा ने किया।

नारी चेतना शाखा ने किया कन्या पूजन



श्रीगंगानगर। मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना शाखा, श्रीगंगानगर द्वारा नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सरोज घोड़ेला ने बताया कि जवाहरनगर स्थित महाराजा अग्रसेन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में नारी चेतना शाखा पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा उत्साहपूर्वक श्रद्धा भाव से 51 कन्याओं का पूजन किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम कन्याओं को तिलक व चावल लगाकर उनकी पूजा की गई एवं कन्याओं की शिक्षा में योगदान देते हुए स्टेशनरी, कॉपी, पेन इत्यादि सामग्री वितरित की गई तथा खाद्य सामग्री भी भेंट की गई एवं कन्याओं का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट प्रभारी शिप्रा, विद्यालय प्रिंसिपल अनामिका दाधीच, ममता बगडिया, कोषाध्यक्ष पलक बंसल, बबीता लखोटिया, नेहा बिड़ला, कृष्णा सहित मारवाड़ी युवा मंच नारी चेतना शाखा, श्रीगंगानगर पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

विधानसभा आम चुनाव 2023 स्वीप कार्यक्रम



श्रीगंगानगर। डॉ. बी .आर .अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में आज दिनांक 21 अक्टूबर 2023 को स्वीप कार्यक्रम के तहत सप्ताह में विभिन्न प्रकार के विधानसभा चुनाव के तहत कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रत्येक सोमवार को मतदाता जागरूकता संदेश गायन गया गया एवं विद्यार्थियों को मतदान हेतु जागरूक करने के लिए शपथ दिलवाई गयी व चुनाव स्वीप सम्बन्धी पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सप्ताह के अन्त में प्राचार्य डॉ. धर्मेन्द्र पाल सिंह द्वारा मतदाता जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर स्वीप प्रभारी डॉ. भूपेन्द्र कुमार महेन्द्रा, अरविन्द सुलानिया, डॉ. मैनपाल, डॉ. राहुल, डॉ. सुशीला देवी यादव, विकास सोलंकी एवं महाविद्यालय विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रंगोली सजाकर अनिवार्य मतदान हेतु आकर्षित किया



श्रीगंगानगर। रंगोली सजाकर दिया मतदान का संदेश करनपुर में स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता अभियान में शिक्षा विभाग द्वारा करनपुर की समस्त राजकीय विद्यालयों में रंगोली सजाकर अनिवार्य मतदान हेतु आकर्षित किया। निर्वाचन पदाधिकारी सुभाष चन्द्र चौधरी के आदेशानुसार तथा ब्लॉक स्वीप प्रकोष्ठ प्रभारी विनोद कुमार रेगर के निर्देशानुसार उपखण्ड कार्यालय में रेणु चौहान, रीटा रहेजा के मार्गदर्शन में राजकीय महाविद्यालय की सीमा गीता, सुमन तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने रमनदीप कौर सीडोपीओ, देवी, नीरू के मार्गदर्शन में अंजु, ममता, योगिता, संतोष, सीमा द्वारा आकर्षक रंगोली तैयार कर अनिवार्य मतदान का संदेश प्रेषित किया। स्वीप प्रभारी राजकुमार नागपाल ने बताया कि रंगोली सजावट में नरें,मतदाता जागरूकता की ऐप्स, वोटिंग मशीन आदि के माध्यम से मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया। चुनाव शाखा से अजय जिंदल, विनोद कुमार, नवजोत सिंह, प्रेम कुमार, प्रवीण कुमार, भैरा राम, रविंद्र कुमार ने अवलोकन किया।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रोटोकॉल टीम का गठन

श्रीगंगानगर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अंकुर मिगलानी ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन में विधानसभा क्षेत्र वार प्रोटोकॉल टीम का गठन किया है। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष दीपक कांडा और महासचिव सुरेंद्र पारीक को जिला स्तर की प्रोटोकॉल टीम में लिया गया है। यह दोनों विधानसभा चुनाव में आने वाले पार्टी के बड़े नेताओं के जिला स्तरीय दौरों में उनके साथ रहेंगे। संगठन महासचिव श्यामलाल शेखावटी ने बताया कि इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र वार भी प्रोटोकॉल टीम बनाई गई है। सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी पार्टी के जिला सचिव मुकेश मिट्ठा, श्रीगंगानगर की महासचिव नरेश सेतिया, श्रीकरनपुर की डॉ. अलका चावला, रायसिंहनगर की जिला सचिव रणजीतसिंह थिंद और अनुपगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेवारी महासचिव गोपाल डगला को दी गई है। यह प्रोटोकॉल पदाधिकारी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के दौरान आने वाले बड़े पदाधिकारियों के दौरे में साथ रहेंगे।

साहित्य महोत्सव एवं विराट कवि सम्मेलन आज

श्रीगंगानगर। गंगानगर कला मंच, श्रीगंगानगर तथा विर्यति प्रकाशन, रायसिंहनगर के संयुक्त तत्वावधान में श्रीगंगानगर साहित्य महोत्सव तथा विराट कवि सम्मेलन 22 अक्टूबर, रविवार को प्रातः 10.30 बजे जवाहरनगर स्थित तपोवन कैरियर क्लासेज सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तपोवन ट्रस्ट अध्यक्ष महेश पेड़वाल तथा विशिष्ट अतिथि श्रवण कुमार सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं तपोवन ब्लड बैंक अध्यक्ष उदयपाल झाड़डिया होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी प्रचार समिति अध्यक्ष अंक हारिल कर फरमा करेंगे। साहित्य महोत्सव कार्यक्रम में रायसिंहनगर के वरिष्ठ साहित्यकार स्व. उदयकरण सुमन की 11 पुस्तकों की समीक्षा वरिष्ठ साहित्यकार सुभाष सिंगटिया, राजकुमार, मदन अरोड़ा, राजेन्द्र स्वामी ‘लवली’, योगराज भाटिया, रामकरण गडई, मनोज कुमार सैन, जगदीश धींगड़ा, रामदास गर्ग, डॉ. ओ.पी. वैश तथा मनोज अरोड़ा द्वारा की जाएगी।

बी.एससी. बी.एड. चतुर्थ वर्ष का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा

श्रीगंगानगर। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा बी.एससी. बी.एड. चतुर्थ वर्ष के घोषित परीक्षा परिणाम अनुसार आत्मवल्लभ जैन कन्या (पी.जी.) महाविद्यालय, श्रीगंगानगर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। महाविद्यालय निदेशक डॉ. संजय अरोड़ा ने बताया कि छात्रा रमनदीप कौर ने 88.51 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में प्रथम, शायना ने 88.09 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय तथा निशा चौहान ने 87.74 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार युवरेन्द्र कौर 87.6 प्रतिशत अंक हासिल कर चतुर्थ एवं सविना 86.85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में पांचवें स्थान पर रही है।